टिप्पणी

36

व्यवसाय अनुप्रयोगों में स्प्रैडशीट का उपयोग

हम स्प्रैडशीट तथा इसकी विशेषताओं के बारे में पढ़ चुके हैं जिसका उपयोग व्यवसाय अनुप्रयोगों में किया जा सकता है। स्प्रैडशीट लेखांकन के कई क्षेत्रों को समर्थन प्रदान करती है। यह पाठ दो क्षेत्रों : 'पे–रोल' तथा 'ह्रास लेखांकन' में कम्प्यूट्रीकृत लेखांकन में स्प्रैडशीट की सामर्थ्य दर्शाने हेतु इसके अनुप्रयोगों का विवेचन करता है। इस पाठ में, हम पे रोल लेखांकन तथा सम्पत्ति प्रबंध लेखांकन हेतु एक्सल का प्रयोग करते हुए स्प्रैडशीट के अनुप्रयोगों की चर्चा करेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् आप इस योग्य हो जाएँगे कि :

- पे रोल लेखांकन का अर्थ बता सकेंगे;
- पे रोल के घटकों की व्याख्या कर सकेंगे;
- ह्रास का अर्थ बता सकेंगे;
- ह्रास की विधियों का वर्णन कर सकेंगे;
- कम्प्यूटर की सहायता से वार्षिक ह्रास की राशि परिकलित कर सकेंगे तथा
- कम्प्यूटर में संपत्तियों के खाते रख सकेंगे।

36.1 पे रोल

एक संगठन में प्रत्येक कर्मचारी को एक विशिष्ट अवधि के दौरान उसके द्वारा समर्पित की गई सेवाओं की संपूर्ति (अथवा प्रतिफल स्वरूप) हेतु पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है। इस संपूर्ति को रोजगार में लगे लोगों को वेतन अथवा 'पे' के रूप में जाना जाता है। वेतन एक पूर्व निर्धारित समयावधि (सामान्यतः एक माह) हेतु देय होता है। इसीलिए वेतन को सामान्यतः मासिक आधार पर विशिष्टीकृत किया जाता

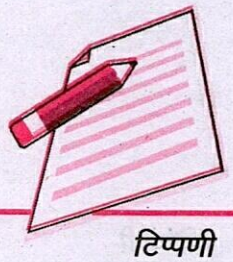

टिप्पणी

है। विभिन्न कर्मचारियों को देय वेतन के निर्धारण में व्यक्तिपरकता से बचने के लिए, प्राय प्रत्येक आधुनिक संगठन अपने कर्मचारियों को देय वेतन का निर्णय करने हेतु नियमों के एक निश्चित समूह का पालन करता है।

36.1.1 पे रोल घटक

प्रत्येक कर्मचारी, जब संगठन द्वारा नियुक्त किया जाता है तो वह एक सेवा अनुबंध में बंधित होता है, जिसके अंतर्गत रोजगार के नियम एवं शर्तें लिखी रहती हैं।

चालू पे रोल अवधि (माह एवं वर्ष)

अर्जनाएँ

- **मूल वेतन (BP) :** यह वेतनमान के अंतर्गत वेतन है, जिसमें पद वेतन तो सम्मिलित है, परंतु विशेष वेतन सम्मिलित नहीं है।
- **पद वेतन (GP) :** यह कर्मचारी के पद तथा वेतनमान के अनुसार उसके मूल वेतन में सम्मिलित वेतन है।
- **महंगाई वेतन (DP) :** यह महंगाई भत्ते का वह भाग है जो मूल वेतन में मिला दिया जाने हेतु घोषित किया गया है।
- **महंगाई भत्ता (DA) :** यह मूल्य वृद्धि के कारण कर्मचारियों की क्रय शक्ति के क्षरण की क्षतिपूर्ति है। यह नियोक्ता द्वारा आवधिक आधार पर (मूल वेतन + महंगाई वेतन, यदि लागू हो) के प्रतिशत के रूप में भुगतान किया जाता है।
- **मकान किराया भत्ता (HRA) :** यह कर्मचारियों को उनके आवास को किराए पर लेने की सुविधा प्रदान करने हेतु भुगतान की जाने वाली धनराशि है।
- **परिवहन भत्ता (TRA) :** यह कर्मचारियों को उनके आवास से कार्यस्थल तक आवागमन की सुविधा प्रदान करने हेतु दी जाने वाली धनराशि है।
- **अन्य भत्ते :** इसमें कोई अन्य भत्ते सम्मिलित हो सकते हैं, जो ऊपर नहीं दर्शाए गए, परंतु समय–समय पर घोषित किए गए हैं, जैसे : शिक्षा भत्ता, चिकित्सा भत्ता, धुलाई भत्ता आदि।

कटौतियाँ

- **पेशेवर कर (कुछ राज्यों में लागू) (PT) :** यह एक वैधानिक कटौती है जो राज्य सरकार के नियमों के अनुसार होती है।
- **भविष्य निधि (PF) :** यह सामाजिक सुरक्षा के भाग के रूप में एक वैधानिक कटौती है। यह भविष्य निधि अधिनियम के अंतर्गत सरकार द्वारा तय की जाती है तथा मूल वेतन + महंगाई वेतन (यदि लागू हो) पर प्रतिशत के रूप में परिकलित की जाती है।

टिप्पणी

- **स्रोत पर कर कटौती (TDS) :** यह कर्मचारी की कर देयता हेतु मासिक आधार पर की जाने वाली वैधानिक कटौती है। यह वार्षिक आय कर दायित्व का अनिवार्य रूप से 12 महीनों पर संविभाजन है।
- **ऋण किश्त की वसूली (LOAN) :** यह कर्मचारी द्वारा सूचित की गई वह धनराशि है, जो उसके द्वारा लिए गए ऋण की किश्त की वसूली हेतु की जाने वाली कटौती है।
- **कोई अन्य कटौती :** इसमें कोई अन्य कटौती सम्मिलित हो सकती है, जो ऊपर वर्णित नहीं की गई, जैसे अग्रिम वेतन की वसूली, खाद्यान्न अग्रिम की वसूली, त्यौहार अग्रिम की वसूली आदि।

  i. सकल : प्रत्येक कर्मचारी को देय वेतन, वेतन की सकल राशि है, जिसमें सामान्यतः मूल वेतन तथा विभिन्न भत्ते सम्मिलित होते हैं। महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, नगर प्रतिपूर्ति भत्ता, परिवहन भत्ता आदि सर्वनिष्ठ भत्ते हैं। मूल वेतन तथा नियम एवं शर्तों के अनुसार लागू भत्तों के पूर्णयोग के रूप में प्रत्येक कर्मचारी को देय सकल वेतन की गणना की जाती है।

  ii. कटौतियाँ : प्रत्येक कर्मचारी से यह अपेक्षित है कि वह भविष्य निधि हेतु मूल वेतन का निश्चित प्रतिशत अपने मासिक वेतन में से योगदान करे। इसीलिए, योगदान की राशि देय वेतन से काट ली जाती है। इसके अतिरिक्त, आय कर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, एक नियोक्ता के रूप में संगठन अपने प्रत्येक कर्मचारी के वेतन में से एक निश्चित धनराशि, स्रोत पर कर कटौती के रूप मं काट लेता है। इनके अलावा और भी कई ऐच्छिक तथा अनिवार्य कटौतियाँ कर्मचारियों को देय वेतन में से कर ली जाती है।

  iii. शुद्ध वेतन : वेतन की शुद्ध धनराशि, सकल वेतन तथा कटौतियों का अंतर है। एक माह के अंत में प्रत्येक कर्मचारी को वेतन की शुद्ध धनराशि का भुगतान कर दिया जाता है।

पे रोल एक लेखांकन विवरण है, जिसका अभिप्राय प्रत्येक कर्मचारी के सकल वेतन का विवरण, कटौतियों की विभिन्न धनराशियाँ तथा अंततः उसे देय शुद्ध वेतन को दर्शाना है।

पाठगत प्रश्न 36.1

रिक्त स्थान भरिए :

i. वेतन को सामान्यतः ..... आधार पर विशिष्टीकृत किया जाता है।

ii. रोजगार के अनुबंध तथा वेतन नियमों को ..... कहते हैं।

iii. कर्मचारियों को उनके आवास स्थान को किराए पर लेने की सुविधा प्रदान करने हेतु ..... भत्ता दिया जाता है।

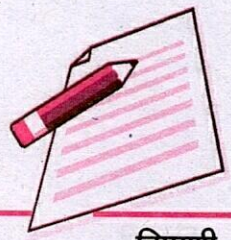

टिप्पणी

36.2 पे रोल गणना में प्रयुक्त होने वाले मूल तत्व

अर्जित मूल वेतन (BPE) . एक कर्मचारी का अर्जित मूल वेतन वह मूल वेतन है जो माह के दौरान उपस्थित प्रभावी दिनों (NOEDP) के संदर्भ में परिकलित किया गया है।

BPE = BP * NOEDP/NODM

महंगाई भत्ता (DA)

*DA = BPE * (माह हेतु DA की लागू दर)*

मकान किराया भत्ता (HRA)

*HRA = BPE * (माह हेतु HRA की लागू दर)*

परिवहन भत्ता (TRA)

TRA = (तय राशि) or (प्रतिशतता आधारित)

कुल अर्जनाएँ (TE). यह उपरोक्त सभी अर्जन अवयवों का समग्र है। अतः,

TE = BPE + DA + HRA + TRA

भविष्य निधि (PF) : इससे इस प्रकार परिकलित किया जा सकता है,

PF = BPE * PF Rate Press Enter

स्रोत पर कर कटौती (TDS) : यह सामान्यतः एक तय राशि जो प्रति माह आय कर के नाम से काटी जाती है। वर्ष की अंतिम तिमाही में कर्मचारियों से उनके द्वारा किए गए निवेश (जो कर कटौती हेतु अनुमेय हैं) के विवरण लिए जाते हैं, जिससे आय कर दायित्व को वार्षिक आधार पर और अधिक सटीकता से परिकलित किया जा सके।

ऋण किश्तों की वसूली (LOAN) : यह एक तय राशि है जो ऋण के भाग की वसूली के तौर पर ऋण किश्त के रूप में काटी जाती है।

कुल कटौतियाँ (TD) : यह उपरोक्त समस्त कटौतियों का योग है। अतः,

TD = PF + TDS + LOAN

उपस्थित प्रभावी दिनों की संख्या (NOEDP), एक माह के दिनों की संख्या है, जिसमें से बिना वेतन अवकाश तथा अनाधिकृत अनुपस्थितियाँ घटा दी गई हैं : NOEDP = (एक माह के दिनों की संख्या)-(बिना वेतन अवकाश)-(अनाधिकृत अनुपस्थिति) ; जहाँ 'एक माह के दिनों की सख्या' को NODM से दर्शाया जाता है। निवल वेतन (NS) एक कर्मचारी को देय वेतन की राशि है। इसे कुल अर्जनाओं (TE) में से कुल कटौतियाँ (TD) घटाकर ज्ञात किया जाता है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है :

निवल वेतन (NS) = कुल अर्जनाएँ (TE) - कुल कटौतियाँ (TD)

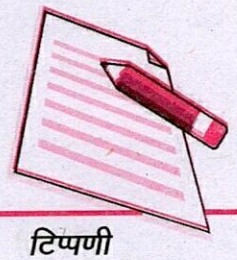

टिप्पणी

पे रोल गणनाओं में उपयोग किए जाने वाले मूल तत्व निम्न सारणी में दर्शाए गए हैं :

अर्जित मूल वेतन (BPE)	$BP \times \frac{NOEDP}{NODM}$ जहाँ NOEDP = उपस्थित रहने के प्रभावी दिनों की संख्या (माह में दिनों की कुल संख्या – वेतनरहित अवकाश तथा अनाधिकृत अनुपस्थिति) NODM = माह में दिनों की संख्या
महंगाई भत्ता (DA) तथा	DA = BPE x Rate of DA
मकान किराया भत्ता (HRA)	HRA = BPE x Rate of HRA
परिवहन भत्ता (TRA)	निश्चित धनराशि अथवा प्रतिशतता आधारित
कुल अर्जनाएँ (TE)	BPE + HRA + DA + TRA
भविष्य निधि	BPE x PF rate
अन्य कटौतियाँ : स्रोत पर कर कटौती ऋण किश्तों की वसूली	ये प्रत्येक कर्मचारी हेतु परिकलित करके काट ली जाती हैं।
कुल कटौतियाँ (TD)	PF + TDS + Loan
शुद्ध वेतन (NS)	कुल अर्जनाएँ (TE) – कुल कटौतियाँ (TD)

36.3 एम.एस. एक्सल में पे रोल परिरूप

Column	Column Heading	Abbrev Ref	First line shows Required Formula Second line refers the cell content
A	Employee No	Emp No	Value entered directly
B	Employee Name	Emp Name	Value entered directly
C	Employee Type	Emp Type	Value entered directly
D	Deduction Days	Ded Days	Value entered directly
E	Basic Pay	BP	Value entered directly
F	No. of Effective Days Present	NOEP	= NODM – (Ded Days) = I3-D12
G	Basic Pay Earned	BPE	= BP * NOEP/NODM = E12*F12/I3
H	Dearness Allowance	DA	= BPE * DA Rate (in %) = G12*I4
I	House Rent Allowance	HRA	= If (Emp Typ = "Sup" then 40% of BPE else if (Emp Typ = "Nsup" then 30% of BPE else 0)) = IF(C12="Sup", G12*I5, IF(C12 ="Nsup", G12*I6.0))
J	Transport Allowance	TRA	= If (Emp Typ = "Sup" then 1000 else if (Emp Typ = "Nsup" then 500 else 0)) = IF(C12="Sup",I7.IF(C12 ="Nsup",I8.0))
K	Gross Salary	TE	= BPE + DA + HRA + TRA = G12+H12+I12+J12
N	Provident Fund	PF	= BPE * PF Rate (in %) = G12*I9
O	Tax Deduction at Source	TDS	Value entered directly
P	Loan Repayment Inst.	LOAN	Value entered directly
Q	Total Deductions	TD	= PF + TDS + LOAN= N12+O12+P12
R	Net Salary	NS	= TE – TD= K12-Q12

आकृति 36.1 : स्प्रैडशीट स्तंभ तथा स्प्रैडशीट में प्रकोष्ठ सामग्री

Variable/Type of Employee	Value in % or Fix Value	Remark
Dearness Allowance (DA)	35% of Basic Pay	14
House Rent Allowance (HRA) –:		
Supervisory Employee (Sup)	40% of Basic Pay	15
Non-supervisory Employee (Nsup)	30% of Basic Pay	16
Consultant or Contract Employee	Nil	
Provident Fund (PF)	12% of BP +DA	19

आकृति 36.2 : कुछ पे-रोल अवयवों को परिकलित करने के नियम

टिप्पणी

Generating the Monthly Statement

	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K
1	M/S X Y Z Enterprises										
2	Payroll for the Month of February, 2009										
3			No of Days in a Month (NODM) For February, 2009						28		
4			DA Rate Applicable for February, 2009						35%		
5			HRA Rate for Supervisory Staff						40%		
6			HRA Rate for Non-supervisory Staff						20%		
7			Transport Allowance for Supervisory Staff						1000		
8			Transport Allowance for Non-supervisory Staff						500		
9			PF Rate						12%		
10	Emp No.	Emp Name	Emp Type	Ded Days	Basic Pay	No. of Eff. Days	Basic Pay Earned	DA	HRA	TRA	Total Earnings
11	101	Sanjay	Sup	1.5	16500	26.5	15616.07	5465.63	6246.43	1000	28328.13
12	341	Nimita	Sup	0.0	34000	28.0	34000.00	11900.00	13600.00	1000	60500.00
13	461	Rehanik	Sup	0.0	19000	28.0	19000.00	6650.00	7600.00	1000	34250.00
14	561	Aishwarya	Sup	3.0	23000	25.0	20535.71	7187.50	8214.29	1000	36937.50
15	701	Rohitkumar	Sup	1.0	15000	27.0	14464.29	5062.50	5785.71	1000	26312.50
16	941	Kapildev	Sup	0.0	40000	28.0	40000.00	14000.00	16000.00	1000	71000.00
17	1061	Anshuman	Sup	4.0	36000	24.0	30857.14	10800.00	12342.86	1000	55000.00
18	1181	Sachin	Nsup	0.0	9500	28.0	9500.00	3325.00	2850.00	500	16175.00
19	1421	Priyanka	Sup	0.0	23000	28.0	23000.00	8050.00	9200.00	1000	41250.00
20	1541	Nargis	Nsup	0.0	8000	28.0	8000.00	2800.00	2400.00	500	13700.00
21	1661	Ashok	Nsup	0.0	8500	28.0	8500.00	2975.00	2550.00	500	14525.00
22	1781	Rajesh	Nsup	0.5	9000	27.5	8839.29	3093.75	2651.79	500	15084.82
23	2021	Motilal	Cont	0.5	20000	27.5	19642.86	6875.00	0.00	0	26517.86
24	2141	Balraj	Cont	2.0	25000	26.0	23214.29	8125.00	0.00	0	31339.29
25		Total					275169.64	96309.38	80441.07	10000	470920.09

आकृति 36.3 (क) : सकल वेतन तक पे-रोल सूची दर्शाने वाली अंशतः स्प्रैडशीट

	A	B	N	O	P	Q	R
2							
3							
10	Emp. No.	Emp Name	PF	TDS	Loan Instalment	Total Deduction	Net Salary
11	101	Sanjay	1873.93	3300	0	5173.93	23154.20
12	341	Nimita	4080.00	6800	2400	13280.00	47220.00
13	461	Rehanik	2280.00	3800	1200	7280.00	26970.00
14	561	Aishwa	2464.29	4600	0	7064.29	29873.21
15	701	Rohitku	1735.71	3000	0	4735.71	21576.79
16	941	Kapilde	4800.00	8000	3000	15800.00	55200.00
17	1061	Anshum	3702.86	7200	2600	13502.86	41497.14
18	1181	Sachin	1140.00	1900	0	3040.00	13135.00
19	1421	Priyank	2760.00	4600	0	7360.00	33890.00
20	1541	Nargis	960.00	1600	0	2560.00	11140.00
21	1661	Ashok	1020.00	1700	1100	3820.00	10705.00
22	1781	Rajesh	1060.71	1800	0	2860.71	12224.11
23	2021	Motilal	2357.14	4000	0	6357.14	20160.71
24	2141	Balraj	2785.71	5000	0	7785.71	23553.57
25		Total	33020.36	57300	10300	100620.36	370299.73

आकृति 36.3 (ख) : कटौतियां तथा निवल वेतन परिकलित करने हेतु अंशतः स्पैडशीट

पाठगत प्रश्न 36.2

निम्नलिखित के संपूर्ण रूप लिखिए :

i.	BPE	ii.	DA	iii.	TRA
iv.	HRA	v.	PF	vi.	TDS

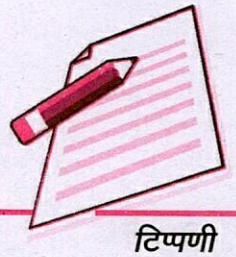

टिप्पणी

36.4 ह्रास लेखांकन/संपत्ति लेखांकन

एक अचल (स्थाई) संपत्ति की ह्रासनीय लागत को उसके उपयोगी जीवनकाल पर आवंटन को ह्रास कहते है। यह एक तरीका है जिसमें एक लेखांकन अवधि में एक स्थाई लागत की राशि की तुलना, उसके द्वारा उपार्जित आगम से की जाती है। ह्रास, लागत आवंटन की एक प्रक्रिया है। यह कई घटकों जैसेः उपयोगी जीवन, अवशिष्ट मूल्य तथा उपयोग की जाने वाली संपत्ति की लागत पर निर्भर करती है। एक लेखांकन अवधि के दौरान आवंटित लागत की राशि, ह्रास व्यय है। केवल उन्हीं चीजों को ह्रासित किया जा सकता है, जो समय के साथ–साथ अपना उपयोगी मूल्य खो देती हैं, केवल स्वायत्त भूमि इसका अपवाद है, जिसका मूल्य सामान्यतः कम नहीं होता।

संगठन की नीति के अनुसार ह्रास परिकलित किया जाता है। सरल रेखा विधि तथा अपलेखन मूल्य विधि के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की संपत्तियों पर ह्रास की दरों की सूची कंपनी अधिनिकयम 1956 की अनुसूची XIV में दी गई है।

संपत्तियों पर ह्रास परिकलन हेतु एक्सल वर्कशीट SLN (सरल रेखा), DB (ह्रासित शेष), DDB (द्विह्रासित शेष), SYD (वर्षों के अंकों का योग) प्रकार्यों को समर्थन देती है। इस पाठ में, हम ह्रास की केवल सरल रेखा तथा अपलेखन मूल्य विधि के बारे में चर्चा करेंगे।

पाठगत प्रश्न 36.3

रिक्त स्थान भरिए :

i. एक अचल संपत्ति की ह्रासनीय लागत को उसके उपयोगी जीवनकाल पर आबंटन को ..... कहते हैं।

ii. ह्रास, लागत ..... की एक प्रक्रिया है।

iii. संपत्तियों पर ह्रास परिकलन हेतु एक्सल वर्कशीट सरल रेखा विधि, ह्रासित शेष विधि तथा ..... विधि प्रकार्यों को समर्थन देती है।

36.5 कम्प्यूट्रीकृत संपत्ति लेखांकन

संपत्तियों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है :

- ख्याति
- भूमि : फ्री–होल्ड भूमि तथा पट्टे पर भूमि
- भवन : कारखाना भवन, कार्यालय भवन तथा आवासीय भवन
- संयंत्र व मशीनरी

टिप्पणी

- फर्नीचर व फिक्सचर्स
- वाहन
- पूँजीगत कार्य प्रगति पर
- अन्य

36.5.1 ह्रास की सरल रेखा विधि

इस विधि के अनुसार, ह्रास की स्थिर राशि प्रभारित करके संपत्ति की अधिग्रहण लागत तथा शुद्ध मूल्य को उसके उपयोगी जीवन पर आवंटित किया जाता हैं। यह निम्न प्रकार परिकलित की जाती है :

i. अधिग्रहण लागत = क्रय मूल्य + अन्य व्यय जैसे परिवहन व्यय, स्थापन व्यय तथा पूर्व प्रचालन व्यय।

ii. कुल ह्रासनीय राशि = अधिग्रहण लागत – अवशिष्ट मूल्य

अतः सरल रेखा ह्रास इस प्रकार परिगणित की जाती है :

$$\frac{\text{कुल ह्रासनीय राशि}}{\text{प्रत्याशित उपयोगी जीवन}}$$

$$\text{ह्रास की दर} = \frac{\text{सरल रेखा ह्रास}}{\text{कुल ह्रासनीय राशि}} \times 100$$

यहाँ नीचे, अब हम बने बनाए प्रकार्य SLN का उपयोग करते हुए सरल रेखा विधि से ह्रास परिकलित करेंगे। ह्रास दो संपत्तियों पर परिकलित की जा रही है : CNC मशीन तथा पैकिंग मशीन। इसके लिए नीचे सारणी में दिखाए अनुसार मानों को प्रविष्ट करें :

Column	*Column Heading*	*Abbrev Ref*	*First line shows Required Formula Second line refers the cell content*
A	Asset Name	Asset Name	Value entered directly
B	Date of Purchase	Pur. Date	Value entered directly
C	Date of Installation	Inst. Date	Value entered directly
D	Cost of Purchase	Pur. Cost	Value entered directly
E	Installation Expenses	Inst. Exp.	Value entered directly
F	Pre-operating Expenses	Pre-op Exp	Value entered directly
G	Cost to Use	Cost to Use	= (Cost of Purchase) + (Installation Expenses) + (Pre-operating Expenses) = D5+E5+F5
H	Salvage Value	Salvage Val	Value entered directly
I	Life of Asset in Years	Life in Yrs	Value entered directly
K	Depreciation Amount	Depr.	=SLN(G5,H11,I11)

2	Calculation of Depreciation for the Financial Year 2008-09 (SLM Method)						
3		Year-Beg-Dt	01-Apr-08		Year-End Dt	31-Mar-09	
4	Asset Name	Purchase Date	Installation Date	Purchase Cost	Installation Expenses	Pre-Operation Expenses	Cost Use
5	CNC Machine	11-Jul-08	17-Jul-08	877000	11000	3000	891000
6	Packing Machine	03-May-06	07-May-06	123000	8000	2500	133500

8	Calculation of Depreciation for the Financial Year 2008-09 (SLM Method)				
9		Total No of Days	365		
10	Asset Name	Salvage Value	Life in Years	Allowed Depreciation	Depreciation
11	CNC Machine	45000	7	100%	120857.14
12	Packing Machine	17000	7	100%	16642.86

हासित राशि को दर्शाने वाली स्प्रैडशीट का उद्धरण

36.5.2 ह्रास की अपलेखन मूल्य विधि

इस विधि के अनुसार, ह्रास की राशि की गणना एक निश्चित दर से संपत्ति की उस लागत पर की जाती है जो पिछले वर्ष के अंत तक लगाई गई ह्रास की राशि घटाने के बाद आई है। DB प्रकार्य, अपलेखन मूल्य विधि का प्रयोग करते हुए एक संपत्ति पर ह्रास की राशि परिकलित करके बताता है।

परिकलन के प्राचल हैं :

लागत : लागत का अभिप्राय संपत्ति की प्रारंभिक लागत से है।

जीवन : इसे संपत्ति का उपयोगी जीवन भी कहते हैं, जो उन अवधियों की संख्या में दर्शाया जाता है, जिनमें संपत्ति ह्रासित की जानी है।

अवशिष्ट : इसे संपत्ति का अवशिष्ट मूल्य भी कहते हैं, यह संपत्ति के जीवन की समाप्ति के समय का मूल्य है।

अवधि : यह वह अवधि है जिसके हेतु ह्रास परिगणित की जानी है। अवधि की इकाई वही होती है, जो जीवन की होती है।

माह : यह प्रारंभिक वर्ष में महीनों की संख्या है। यदि माह का लोप है तो इन्हें 12 मान लिया जाता है।

यहाँ नीचे, हम अब DB में बने बनाए प्रकार्य का प्रयोग करके सरल रेखा विधि से ह्रास परिकलित करेंगे। यहाँ दो संपत्तियों पर ह्रास परिकलित की जा रही है : CNC मशीन तथा पैकिंग मशीन। इसके लिए सारणी में दर्शाए अनुसार वर्कशीट में मानों को प्रविष्ट करें। निम्न सारणी, स्प्रैडशीट में प्रयुक्त स्तंभ की मदों तथा सामग्री को प्रस्तुत करती है।

टिप्पणी

Column	Column Heading	Abbre. Ref	First line shows Required Formula Second line refers the cell content
I	Life of Asset in Years	Life in Yrs	Value entered directly
J	Period (in Years) for which Depr. is to be computed	Period	If (Instalation of asset was done after March) then take (Current Year) – (Year of Instalation) else take one addl. Year. = IF (MONTH(C5) > 3,(YEAR(F3)-YEAR(C5)),(YEAR(F3)-YEAR(C5))+1)
K	Months in 1st Year (i.e. the year of installation)	Months in 1st Yr	No. of months between (Yr-End-Dt in 1st Yr) & (Inst.Date) = ROUND((L5-C5)/30.0)
L	Year-end Date in 1st Year (Reqd. to compute column-K)	Yr-End-Dt in 1st Yr	If (Inst. Date) was Between Jan and Mar. Take it as 31st Mar of (Year of Inst. Date) Else Take it as Next Year. = IF(AND(MONTH(C5)>0,MONTH(C5) <4), DATE(YEAR(C5),3,31), DATE(YEAR(C5)+1,3,31))
M	Depreciation	Depr.	Parameters of DB function as explained above = DB(G5,H5,I5,J5,K5)

2	Calculation of Depreciation for the Financial Year 2008-09 (WDV Method)						
3		Year Beg Dt	01-Apr-08		Year End	31-Mar-09	
4	Asset Name	Purchase Date	Installation Date	Purchase Cost	Installation Expenses	Pre-Operation Expenses	Cost to Use
5	CNC Machine	11-Jul-08	17-Jul-08	877000	11000	3000	891000
6	Packing Machine	03-May-06	07-May-06	125000	8000	2500	133500

2	Calculation of Depreciation for the Financial Year 2008-09 (WDV Method)						
10	Asset Name	Salvage Value	Life in Years	Period	Months in 1st Yr	Yr-End-Dt in 1st Yr	Depreciation
11	CNC Machine	45000	7	1	9	31-Mar-09	231882.75
12	Packing Machine	17000	7	3	11	31-Mar-07	19433.37

हासनीय राशि दर्शाने वाली स्प्रैडशीट का उद्धरण

पाठगत प्रश्न 36.4

सत्य अथवा असत्य बताइए :

i. सरल रेखा विधि में, सभी वर्षों में ह्रास की राशि समान रहती है।

ii. ह्रासित शेष विधि में, एक संपत्ति के ह्रासित पुस्तकीय मूल्य पर एक स्थाई दर से ह्रास का परिकलन किया जाता है।

iii. कंपनी अधिनियम 1956 में दी गई ह्रास की दरें, ह्रास की सभी विधियों हेतु एक समान हैं।

टिप्पणी

आपने क्या सीखा

- पे–रोल एक लेखांकन विवरण है, जो प्रत्येक कर्मचारी के सकल वेतन, विभिन्न कटौतियों की राशि तथा कर्मचारी को देय शुद्ध वेतन के विवरण सहित प्रत्येक कर्मचारी को देय वेतन दर्शाता है।
- **पे-रोल अवयव**
  - * **मूल वेतन (BP)** : यह वेतनमान में वेतन तथा पद वेतन का योग है, परंतु इसमें विशेष वेतन सम्मिलित नहीं है।
  - * **पद वेतन (GP)** : यह कर्मचारी के मूल वेतन में सम्मिलित वह वेतन है, जो उसके पद तथा लागू वेतनमान के अनुसार है।
  - * **महंगाई वेतन (DP)** : यह महंगाई भत्ते का वह भाग है, जिसे मूल वेतन में सम्मिलित करने की घोषणा कर दी गई है।
  - * **महंगाई भत्ता (DA)** : यह मूल्य वृद्धि के कारण कर्मचारी की क्रय शक्ति में आई कमी की क्षतिपूर्ति है। यह नियोक्ता द्वारा आवधिक रूप में (मूल वेतन + महंगाई वेतन, यदि लागू हो) पर प्रतिशत के रूप में प्रदान किया जाता है।
  - * **मकान किराया भत्ता (HRA)** : यह राशि कर्मचारी को आवासीय स्थान को किराए पर अधिग्रहित करने की सुविधा हेतु दी जाती है।
  - * **परिवहन भत्ता (TRA)** : यह राशि कर्मचारी को उसके आवास से कार्य स्थल तक आने–जाने की सुविधा हेतु दी जाती है।
  - * **कोई अन्य भत्ते** : इनमें समय–समय पर घोषित कई अन्य भत्ते सम्मिलित हो सकते हैं, जैसे : शिक्षा भत्ता, चिकित्सा भत्ता, धुलाई भत्ता आदि।

कटौतियाँ :

- * **पेशेवर कर (कुछ राज्यों में लागू) (PT)** : यह राज्य सरकार के नियमों के अनुसार एक वैधानिक कटौती है।
- * **भविष्य निधि (PF)** : यह सामाजिक सुरक्षा के एक भाग के रूप में एक वैधानिक कटौती है। यह भविष्य निधि अधिनियम के अंतर्गत सरकार द्वारा तय की जाती है तथा (मूल वेतन + महंगाई वेतन, यदि लागू हो) पर प्रतिशत के रूप में परिकलित की जाती है।
- * **स्रोत पर कर कटौती (TDS)** : यह कटौती, कर्मचारी की आय कर देयता हेतु मासिक आधार पर की जाने वाली वैधानिक कटौती है। यह अनिवार्य रूप से कर्मचारी की वार्षिक आय कर देयता का 12 महीनों पर आबंटन है।

* **ऋण किश्त की वसूली (LOAN) :** यह कटौती, कर्मचारी द्वारा लिए गए ऋण की वसूली हेतु की जाने वाली मासिक कटौती है।
* **कोई अन्य कटौती :** इसमें ऐसी कोई अन्य कटौती सम्मिलित हो सकती है, जो ऊपर सम्मिलित नहीं की गई है, जैसे : अग्रिम वेतन, खाद्यान्न हेतु लिए गए अग्रिम, त्योहार अग्रिम आदि की वसूली।

सकल : प्रत्येक कर्मचारी को देय वेतन, सकल राशि है।

कटौतियाँ : कर्मचारियां के वेतन में से कुछ कटौतियाँ की जाती है, जैसेः भविष्य निधि, बीमा, स्रोत पर कर कटौती आदि।

शुद्ध वेतन : सकल वेतन तथा कटौतियों के बीच का अंतर शुद्ध वेतन है। माह के अंत में प्रत्येक कर्मचारी को शुद्ध वेतन का भुगतान किया जाता है।

- **पे-रोल गणना में प्रयुक्त अवयव**

* **मूल वेतन अर्जित (BPE) :** एक कर्मचारी द्वारा अर्जित मूल वेतन वह मूल वेतन है, जो एक माह के दौरान उसकी उपस्थिति के प्रभावी दिनों की संख्या के संदर्भ में परिगणित किया जाता है।

$$BPE = BP \times \frac{NOEDP}{NODM}$$

* **महंगाई भत्ता (DA) :** DA = BPE x (माह हेतु लागू महंगाई भत्ते की दर)
* **मकान किराया भत्ता (HRA) :**

HRA = BPE x (माह हेतु लागू मकान किराये भत्ते की दर)

* **परिवहन भत्ता (TRA) :**

TRA = नियत राशि अथवा प्रतिशत के आधार पर

* **कुल अर्जनाएँ (TE) :** यह उपरोक्त सभी अर्जन अवयवों का समग्र योग है । अतः TE = BPE + DA + HRA + TRA
* **भविष्य निधि (PF) :** इसे इस प्रकार परिकलित किया जाता है–

PF = BPE x भविष्य निधि की लागू दर

* **स्रोत पर कर कटौती (TDS) :** कुल वार्षिक आय कर को 12 महीनों में बाँट कर प्रति कटौती की जाती है।
* **ऋण किश्त की वसूली (LOAN) :** यह एक नियत राशि है जो कर्मचारी द्वारा लिए गए ऋण की वसूली हेतु ऋण किश्त के रूप में काटी जाती है।
* **कुल कटौतियां (TD) :** यह उपरोक्त सभी का योग है। अतः

TD = PF + TDS + LOAN

टिप्पणी

* **उपस्थिति के प्रभावी दिनों की संख्या (NOEDP) :** उपस्थिति के प्रभावी दिनों की संख्या ज्ञात करने हेतु एक माह के दिनों की संख्या में से बिना वेतन अवकाश तथा अनाधिकृत अनुपस्थिति के दिनों की संख्या घटा दी जाती है। अर्थात, NOEDP = (माह में दिनों की संख्या – बिना वेतन अवकाश – अनाधिकृत अनुपस्थिति)

* **शुद्ध वेतन (NS) :** कर्मचारी को माह के अंत में रोकड़ रूप में दी जाने वाली राशि उसका शुद्ध वेतन है। इसे ज्ञात करने हेतु नीचे दिए गए सूत्रानुसार कुल अर्जनाओं (TE) में से कुल कटौतियाँ (TD) घटाई जाती है।

  शुद्ध वेतन (NS) = कुल अर्जनाएँ (TE) – कुल कटौतियाँ (TD)

- **ह्रास :** एक अचल (स्थाई) संपत्ति की ह्रासनीय लागत को उसके उपयोगी जीवनकाल पर आबंटन को ह्रास कहते हैं। ह्रास, लागत आबंटन की एक प्रक्रिया है। एक लेखांकन अवधि के दौरान आबंटित लागत की राशि, ह्रास व्यय है। केवल उन्हीं चीजों को ह्रासित किया जा सकता है, जो समय के साथ–साथ अपना उपयोगी जीवन खो देती हैं, केवल स्वायत्त भूमि इसका अपवाद है, जिसका मूल्य सामान्यतः कम नहीं होता।

- **ह्रास की विधियाँ :** संगठन की नीति के अनुसार ह्रास परिकलित की जाती है। सरल रेखा विधि तथा अपलेखन मूल्य विधि के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की संपत्तियों पर ह्रास की दरों की सूची कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में दी गई है।

- **संपत्ति लेखांकन में एक्सल वर्कशीट का उपयोग :** संपत्तियों पर ह्रास परिकलन हेतु एक्सल वर्कशीट सरल रेखा (SLN), ह्रासित शेष (DB), द्विह्रासित शेष (DDB) तथा वर्षों के अंकों का योग (SYD) प्रकार्यों को समर्थन देती है।

- **ह्रास की सरल रेखा विधि :** इस विधि के अनुसार, ह्रास की स्थिर राशि प्रभारित करके संपत्ति की अधिग्रहण लागत तथा शुद्ध मूल्य को उसके उपयोगी जीवन पर आवंटित किया जाता है।

- **ह्रास की अपलेखन मूल्य विधि :** इस विधि के अनुसार, ह्रास की राशि की गणना एक निश्चित दर से संपत्ति की उस लागत पर की जाती है जो पिछले वर्ष के अंत तक लगाई गई ह्रास की राशि घटाने के बाद आई है।

पाठान्त प्रश्न

1. पे–रोल लेखांकन क्या है?
2. पे–रोल लेखांकन के अवयव गिनाइए।

टिप्पणी

3. पे–रोल लेखांकन में सम्मिलित विभिन्न अर्जनाओं की व्याख्या कीजिए।
4. पे–रोल लेखांकन में प्रयुक्त होने वाली कटौतियों की विभिन्न मदों का वर्णन कीजिए।
5. ह्रास क्या है?
6. संपत्तियों का वर्गीकरण दीजिए।
7. कंपनी अधिनियम 1956 की कौन सी अनुसूची संपत्तियों के विभिन्न वर्गों पर ह्रास की दरें दर्शाती है?
8. ह्रास की उन विधियों के नाम दीजिए, जो एक्सल वर्कशीट द्वारा समर्थित हैं?

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

36.1 i. मासिक ii. रोजगार के नियम एवं शर्तें iii. मकान किराया

36.2 i. Basic Pay Earned ii. Dearness Allowance
iii. Transport Allowance iv. House Rent Allowance
v. Profident Fund vi. Tax Deducted at Source

36.3 i. ह्रास ii. आवंटन iii. वर्षों के अंक योग

36.4 i. सत्य ii. सत्य iii. असत्य